

Total No. of Questions - 10]
(2062)

[Total Pages : 4

9749

M.A. Examination

HISTORY

(Aspects of Religion, Art and Architecture
in Ancient India)

Paper-XII-(a)

(Semester-IV)

Time : Three Hours]

[Maximum Marks :

{ Regular : 80
Private : 100

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/continuation sheet will be issued.

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

Note: Attempt *five* questions in all, selecting at least *one* question from each section. All questions carry equal marks.

नोट : प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

9749/1,000/777/863/Trans.

SS [P.T.O.]

SECTION-I

(खण्ड-I)

1. "The Dharmashastra text reveals the tension between theory and practice within the Brahmanical tradition". Discuss.

धर्मशास्त्र पाठ ब्राह्मणवादी परंपरा के अंदर सिद्धान्त और व्यवहार के बीच तनाव को प्रकट करता है। समझाइए।

2. Discuss the socio-economic milieu for the rise of hetero sects of 6th century B.C. with special reference to Jainism.

जैन धर्म के विशेष संदर्भ में छठी शताब्दी ईसा पूर्व के विषम सम्प्रदायों के उदय के लिए सामाजिक आर्थिक परिवेश पर चर्चा कीजिए।

SECTION-II

(खण्ड-II)

3. Critically highlight the main features of Early Rock-cut temples of ancient India, with special reference to South India.

दक्षिण भारत में विशेष संदर्भ में प्राचीन भारत के प्रारंभिक शैलकृत मंदिरों की मुख्य विशेषताओं पर समीक्षात्मक रूप से प्रकाश डालिए।

4. Highlight architectural features of Sun temple.

सूर्य मंदिर की वास्तुकला की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. Bring out the main features of Dravida School of temple architecture.

मंदिर वास्तुकला के द्रविड़ विद्यालय की मुख्य विशेषताओं को उजागर कीजिए।

6. "Religion was intimately connected with the development in architecture", in the light of given statement highlight the development of temple architecture under Gupta's.

"धर्म वास्तुकला में विकास के साथ बनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ था", दिए गए कथन के प्रकाश में गुप्तकाल के तहत मंदिर वास्तुकला के विकास पर प्रकाश डालिए।

SECTION-III

(खण्ड-III)

7. Do you think that the art of making sculptures in India began during the Mauryan period?

क्या आपको लगता है कि मूर्तिकला बनाने की कला मौर्यकाल के दौरान प्रारम्भ हुई थी?

8. Why are the mural paintings of Ajanta renowned?

अजंता के भित्ति चित्र क्यों प्रसिद्ध हैं?

9. The sculptural form of South India is characterised by intense emotions. Discuss.

दक्षिण भारत की मूर्तिकला रूप प्रचंड भावनाओं की विशेषता है। चर्चा कीजिए।

10. Do you agree with the view that, "the paintings at Tabo can be described as the Himalayan Ajanta Substantiate your answer with argument?"

क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि "टैबो की पेंटिंग को हिमालयी अजंता के रूप में वर्णित किया जा सकता है?" तर्क के साथ अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।
